



Mr.p



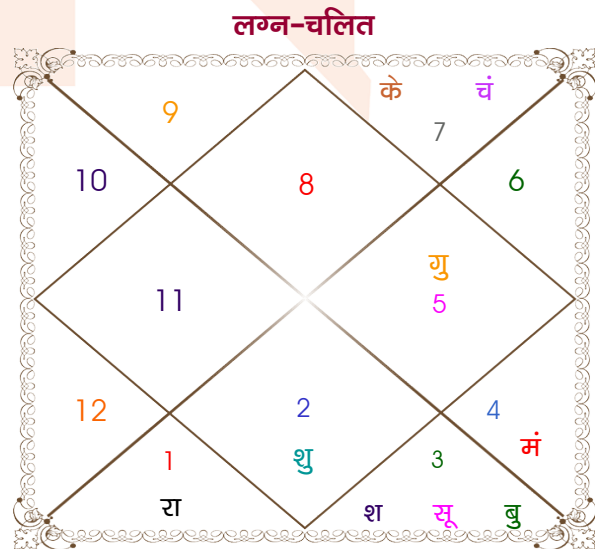
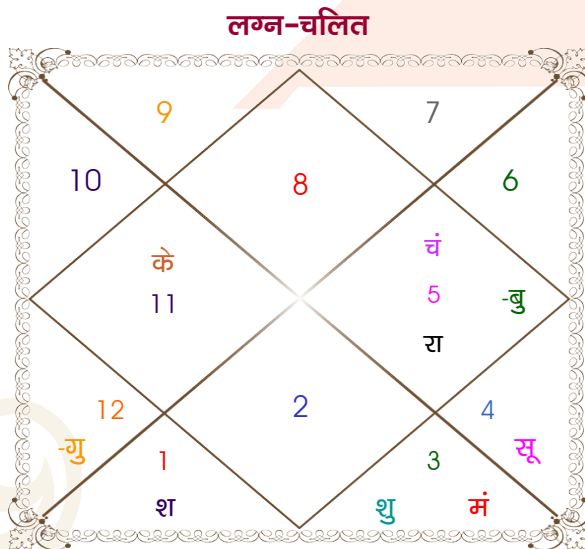
Ms.p

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119561104

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 26/07/1998 : _____ जन्म तिथि _____ 27/06/2004
 रविवार : _____ दिन _____ रविवार
 घंटे 15:20:00 : _____ जन्म समय _____ 17:00:00 घंटे
 घंटे 24:12:38 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 28:56:02 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Delhi : _____ स्थान _____ Bulandshahr
 28:39:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 28:30:00 उत्तर
 77:13:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 77:49:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:18:44 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 05:38:56 : _____ सूर्योदय _____ 05:23:32
 19:15:54 : _____ सूर्यास्त _____ 19:19:59
 23:50:07 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:55:01

विंशोत्तरी केतु 0वर्ष 1मा 18दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 1वर्ष 8मा 26दि	
चन्द्र		14:02:26	वृश्चि	लग्न	वृश्चि	11:59:17	गुरु	
13/09/2024		09:23:09	कर्क	सूर्य	मिथु	12:13:34	24/03/2024	
13/09/2034		13:04:38	सिंह	चंद्र	तुला	03:21:13	24/03/2040	
चन्द्र	14/07/2025	19:34:33	मिथु	मंगल	कर्क	08:21:27	गुरु	12/05/2026
मंगल	12/02/2026	03:31:42	सिंह	बुध	मिथु	22:22:12	शनि	23/11/2028
राहु	14/08/2027	04:06:38	मीन व	गुरु	सिंह	18:56:39	बुध	28/02/2031
गुरु	13/12/2028	14:20:00	मिथु	शुक्र व	वृष	15:49:47	केतु	04/02/2032
शनि	14/07/2030	09:26:03	मेष	शनि	मिथु	21:27:46	शुक्र	05/10/2034
बुध	14/12/2031	07:46:12	सिंह	राहु	मेष	15:42:55	सूर्य	25/07/2035
केतु	14/07/2032	07:46:12	कुंभ	केतु	तुला	15:42:55	चन्द्र	23/11/2036
शुक्र	15/03/2034	17:14:42	मक व	हर्ष व	कुंभ	12:46:00	मंगल	29/10/2037
सूर्य	13/09/2034	06:52:03	मक व	नेप व	मक	21:03:07	राहु	24/03/2040
		11:34:41	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	26:34:17		



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

डतण्व का वर्ग मूषक है तथा डेण्व का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्व और डेण्व का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्व मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

डेण्व मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।

अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डेण्व कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण्व कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्व तथा डेण्व में मंगलीक मिलान ठीक है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com